सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन

कानपुर, सोमवार, 12 मई, 2024
वर्षः 02, अंकः 135, पृष्ठः 8+4

यूपी में सरकारी कर्मचारी नहीं छिपा पाएंगे अपनी 'कुंडली'

» Pg03

इनसाइड घर में दंपती और दो बेटियों के शव मिलने से सनसनी » Pg10

मोदी सरकार के यू-टर्न से ऑपरेशन सिंदूर की अधूरी कहानी

» नई दिल्ली/स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

भारतीय राजनीति में ऐसे कई क्षण आते हैं जब कोई घटना देश की जनता और सत्ता प्रतिष्ठान के बीच संबंधों को गहराई से प्रभावित करती है। पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 26 हिन्दुओं की हत्या भी इसी की एक कड़ी थी,जिसका हिसाब चुकाने के लिये मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर कड़ा कूटनीतिक और सैन्य प्रहार किया,जिसकी शुरूआत पाकिस्तान के साथ दशकों पुराने चले आ रहे सिंधु जल समझौते के निलंबन से हुई तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के रूप में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुस कर ही आतंकवादियों को कब्र में सुला दिया,आपरेशन सिंदूर एक ऐसी ही सैन्य कार्रवाई थी, जो जितनी तेजी से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आई, उतनी ही जल्द वह विवादों और अस्पष्टताओं के भंवर में फंसकर थम गई।

» वजह कोई भी हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अब तक की छवि एक 'निर्णायक और मजबूत नेता' की रही है

» पहलगाम हमले के आरोपी न पकड़े

यह ऑपरेशन अपने कथित उद्देश्यों के कारण जितना महत्वपूर्ण था, उतना ही इसके अचानक ठहराव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए।जब पहलगाम में आतंकियों ने 26 हिन्दुओं को उनका धर्म पूछ कर मारा तो इसका बदला लेने के लिये पूरा देश और विपक्ष मोदी सरकार के साथ खड़ा हो गया।सबने एक सुर में कहा मोदी सरकार जो कार्रवाई करेगी,उसका हम समर्थन करेंगे,प्रधानमंत्री मोदी ने भी सर्वदलीय बैठक बुलाकर सबको संतुष्ट करने में कोई गुरेज नहीं किया,लेकिन जब सीजफायर किया गया तो मोदी सरकार ने किसी से नहीं पूछा। उन विपक्षी नेताओं को भी भरोसे में नहीं लिया जो उनके साथ खड़े हुए थे,यह बात देशवासियों को पसंद नहीं आई। खासकर बीजेपी और मोदी समर्थक भी इस मुद्दे पर बीजेपी और मोदी सरकार के खिलाफ नज़र आये।

गौरतलब हो 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत एक गुप्त अभियान के तौर पर हुई थी, जिसका उद्देश्य कथित रूप से कश्मीर घाटी में आतंक के नेटवर्क को समाप्त करना और पाकिस्तान समर्थित तत्वों को निष्क्रिय करना था। इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखने के पीछे भावनात्मक और सांस्कृतिक प्रतीक था इस ऑपरेशन के तहत सुरक्षाबलों को 'फ्री हैंड' दिया गया था, और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के मार्गदर्शन में इसे अंजाम तक पहुंचाया जाना था। ऑपरेशन के शुरुआती दिनों में कुछ महत्वपूर्ण गिरफ्तारियाँ और सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकी ठिकानों पर हमले हुए भी थे। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीते, यह ऑपरेशन धीरे-धीरे मीडिया से गायब होता चला गया।फिर एक दिन ऑपरेशन सिंदूर जिस तरह अचानक शुरू हुआ था, उतनी ही चुप्पी से वह थम भी गया। इसके पीछे कई कारण माने जा रहे हैं,जिसकी चर्चा करना यहां जरूरी है। कहा जा रहा कि संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी देशों ने भारत से मानवाधिकारों को लेकर जवाबदेही की मांग की। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत से 'संवेदनशीलता' बरतने की अपील की। बात देश के भीतर की कि जोय तो ऑपरेशन के चलते स्थानीय जनता में असंतोष बढ़ने लगा था। स्कूल, कॉलेज बंद होने लगे थे और एक बार फिर घाटी में सुधरते हुए के हालात बिगड़ने लगे थे। मोदी सरकार को आगामी चुनावों में उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मुस्लिम मतों को प्रभावित करने की चिंता थी। किसी भी प्रकार की कठोर सैन्य कार्रवाई इस वर्ग को और अलग-थलग कर सकती थी। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन की रणनीति को लेकर रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय के बीच मतभेद थे। कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का मानना था कि यह समय पूर्ण सैन्य कार्रवाई का नहीं, बल्कि सूक्ष्म कूटनीतिक प्रयासों का था।है कि उसकी ओर से की जा रही कार्रवाई उकसावे की कार्रवाई या है या नहीं. निरीक्षण में साफतौर पर सामने है कि पाकिस्तान अपने नाकाम हरकतों की स्थिति को बढ़ा रहा है.

यह एक राजनीतिक चाल अधिक और सुरक्षा नीति कम....!

वजह कोई भी हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अब तक की छवि एक 'निर्णायक और मजबूत नेता' की रही है। 2016 का सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 का बालाकोट एयर स्ट्राइक उनके इस रूप की पुष्टि करते हैं।

लेकिन ऑपरेशन सिंदूर का अचानक ठहर जाना इस छवि पर धुंध छा जाता है। समर्थकों को लगता है कि सरकार ने एक बार फिर फ्रकठोर कदमफ्र की शुरुआत करके अंत में 'यू-टर्न' ले लिया। यह एक राजनीतिक चाल अधिक और सुरक्षा नीति कम प्रतीत हुआ। वहीं अभी तक मोदी सरकार के साथ खड़ी कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अब पूरे घटनाक्रम को 'राजनीतिक नौटंकी' करार देते हुए पूछ रहे हैं कि यदि ऑपरेशन ज़रूरी था तो उसे अधूरा क्यों छोड़ा गया? और यदि नहीं था, तो इसकी शुरुआत क्यों की गई? पूर्व सैनिकों और रक्षा विश्लेषकों ने भी यह सवाल उठाया कि जब सैनिकों को 'ऑपरेशन मोड' में लाया गया, तो क्या उन्हें केवल राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बनाया गया?

पाकिस्तान को सबक सिखाने की थी आवश्यकता, युद्ध विराम का निर्णय गलत

» पाकिस्तान को सबक सिखाने की थी आवश्यकता, युद्ध विराम का निर्णय गलत

» अमेरिका ने हस्तक्षेप कर युद्धविराम की घोषणा कर दी लेकिन यह हस्तक्षेप एक कूटनीतिक प्रतीक बन गया है

» लखनऊ/स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

(भारत की आवाज)

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य टकराव पर अचानक आया युद्धविराम न तो किसी पक्ष की स्पष्ट कूटनीतिक जीत है, न ही इसे स्थायी समाधान का नाम दिया जा सकता है लेकिन यह तय है कि एक लंबे युद्ध की संभावना को रोककर दोनों देशों ने फिलहाल एक बड़ी मानवीय त्रासदी को टाल दिया है। पाकिस्तान जो वर्षों से आतंकवाद को नीति-संरचित उपकरण की तरह इस्तेमाल करता आया है, उसे पहली बार अपने घर में ही करारा जवाब मिला। भारतीय कार्यवाही से उसे समझ आ गया कि अब परमाणु छतरी की आड़ में आतंकी छिपाने की छूट नहीं मिलने वाली। उधर भारत ने भी यह पहचाना कि उसकी जवाबी क्षमता कहाँ-कहाँ और कैसे मजबूत होनी चाहिए। इस बीच अमेरिका ने हस्तक्षेप कर युद्धविराम की घोषणा कर दी लेकिन यह हस्तक्षेप एक कूटनीतिक प्रतीक बन गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस विराम की घोषणा स्वयं कर दी। इससे हमारे आत्मनिर्भर और निर्णायक शक्ति के वैश्विक छवि पर यकीनन प्रश्नचिन्ह खड़ा हुआ है। संदेश साफ है कि हमारी कूटनीतिक तैयारी, युद्ध-संचालन और संवाद-रणनीति तीनों पर पुनर्विचार का समय है लेकिन युद्ध का रुकना भी कम मूल्यवान नहीं। युद्ध एक सैन्य प्रक्रिया भर नहीं मानवीय त्रासदी होती है। युद्धभाव का अर्थ यह नहीं कि आक्रोश में सब कुछ जला दिया जाए बल्कि यह कि न्यूनतम हिंसा में अधिकतम निष्कर्ष निकाला जाए। जो लक्ष्य घोषित किए गए थे आतंक की अधिसंरचना का समूल नाश, पहलगाम नरसंहार के अपराधियों को दंड, पाकिस्तान को असहनीय कीमत चुकवाना वे अब भी अधूरे हैं। युद्धविराम बिना इनकी पूर्ति के केवल एक ब्रेक है अंत नहीं है इसलिए यह जरूरी है कि भारत अब अपने सैन्य, कूटनीतिक और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को पुनः परिभाषित करे। युद्ध से नहीं पर निर्णायक नीति और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निर्णायक स्थिति से ही वह संदेश जाएगा कि भारत अब कोई भी झटका चुपचाप सहने वाला राष्ट्र नहीं। जब हथियार खामोश हो जाते हैं और गोलियों की जगह बातचीत की आवाजें गूंजने लगती हैं तो हमें लगता है शायद शांति लौट आई है लेकिन क्या यह खामोशी स्थायी है या बस एक रणनीतिक ठहराव। युद्धविराम की मध्यस्थता अक्सर कूटनीति की जीत लगती है लेकिन जमीनी हकीकत इससे अधिक जटिल होती है। यह न कोई स्पष्ट शुरुआत है, न ही कोई स्थायी अंत, यह एक अस्थायी संधि है जिसके नीचे असंतोष और अविश्वास की चिंगारियां लगातार सुलगती रहती हैं। युद्धविराम को टिकाऊ शांति में बदलना दुनिया की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक है। केवल हथियार किनारे रख देना पर्याप्त नहीं, जरूरी है ऐतिहासिक घावों की ईमानदार मरहम-पट्टी, लोगों के बीच संवाद की बहाली और न्यायपूर्ण समाधान की इच्छा। युद्धविरामों की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वे स्थायित्व के भ्रम को जन्म देते हैं। शांति की प्रक्रियाएं जब तक दिखावटी और ऊपर-ऊपर हों तब तक युद्ध की संभावनाएं भीतर-ही-भीतर पलती रहती हैं इसीलिए यह जरूरी है कि हम युद्धविराम को अंत नहीं बल्कि आरंभ मानें सरकार को एक बार पुनः विचार करते हुए इस पर सटीक निर्णय लेने की आवश्यकता है। अपने देश की कमांड किसी और देश को सौंपकर अपनी क्षमता को कमजोर नहीं करना चाहिए।

माताओं की प्रतिभा के बीच आरपीएस स्कूल में मनाया गया मदर्स डे

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। शनिवार को मकनपुर स्थित गौरव इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माँ के प्रति बच्चों का तथा बच्चों के प्रति माँ का प्रेम देखने को मिला। स्कूल में प्रतियोगिताएं हुई। जिसमें बच्चों के साथ उनकी माताओं ने प्रतिभाग कर हुनर दिखाया। इस दौरान उन्हें स्कूल की प्रधानाचार्य द्वारा सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय की प्रधानाचार्या ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने अपनी मां के सम्मान में कविताएं और स्लोगन पढ़े। इस दौरान माताओ ने भी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विजयी माताओं को पुरस्कृत किया गया। मोस्ट स्टाइलिश मॉम का खिताब दीक्षा पांडे ने अपने उत्कृष्ट फैशन सेंस और एलिगेंस से जीता। वहीं श्वेता को गॉर्जियस मॉम के खिताब से नवाजा गया। जिनकी सुंदरता और आकर्षण ने सभी को मोहित कर लिया। पूजा चौरसिया ने अपनी मल्टीटास्किंग क्षमताओं के लिए सुपर मॉम का टाइटल अपने नाम किया। टैलेंट हंट प्रतियोगिता में प्रिया कटियार ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से पहला स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में मुस्कान की रचनात्मकता और कलात्मकता ने उन्हें प्रथम स्थान दिलाया। नेल आर्ट कॉम्पटीशन में दिव्यांशी की बारीकी और डिजाइनिंग स्किल्स ने उन्हें विजेता बनाया। नॉन-फायर कुकिंग में ताज़ीन फातिमा ने स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाकर पहला स्थान हासिल किया। गजेदार गेम मम्माज बैग में प्रियंका कटियार ने सबसे ज्यादा आइटम्स ढूंढकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि व्हू नोज़ बेटर गेम में नीरू कटियार ने अपनी बेहतर सूझबूझ और ज्ञान का परिचय देते हुए पहला स्थान अपने नाम किया। इस कार्यक्रम ने माताओं ने अपनी प्रतिभा, सौंदर्य और क्षमताओं का शानदार प्रदर्शन किया और सभी विजेताओं को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए खूब सराहा गया।

विद्यालय की निदेशिका आरती कटियार ने अपने संबोधन में सभी माताओं के अद्वितीय योगदान और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि माँ न केवल परिवार की नींव होती है, बल्कि बच्चों के जीवन की पहली और सबसे महत्वपूर्ण गुरु भी होती हैं। प्राचार्या लकी जैन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी का शुक्रिया अदा किया।उन्होंने विशेष रूप से उपस्थित सभी माताओं का आभार व्यक्त किया और आयोजन को यादगार बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

मां ने नवजात बेटी का नाम रखा सिंदूरी

बोलीं- ऑपरेशन सिंदूर से प्रभावित होकर किया नामकरण, जताई ये इच्छा...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर से प्रभावित होकर शहर के एक दंपति ने नवजात बच्ची का नाम सिंदूरी रख दिया। बच्ची का जन्म जच्चा-बच्चा अस्पताल में हुआ है।

शहर के निवासी अविन मिश्रा की पत्नी लीना मिश्रा ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के जच्चा-बच्चा अस्पताल में आठ मई को ऑपरेशन के जरिए एक बच्ची को जन्म दिया। ऑपरेशन सिंदूर से प्रभावित होकर और परिवार से सलाह लेकर अविन ने अपनी बच्ची का नाम सिंदूरी रखा। अविन ने इसे सेना को सम्मान और देश के प्रति अपनी भावना बताया। मां लीना मिश्रा ने भी इसपर खुशी जाहिर की है। उन्होंने इच्छा जताई कि बेटी बड़ी होकर सेना में अधिकारी बने और देश का नाम रोशन करे। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.रेनू गुप्ता व जच्चा-बच्चा अस्पताल की सीएमएस डॉ.अनीता गौतम ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। बच्ची के माता-पिता ने स्वयं नाम रखने का फैसला किया है, जिसके पीछे ऑपरेशन सिंदूर बताया है।

यूपी में सरकारी कर्मचारी नहीं छिपा पाएंगे अपनी 'कुंडली'

» आठ लाख कर्मचारियों की सभी जानकारियां मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध होगी, सभी विभागों को यह कार्य जल्द पूरा करने का आदेश दिया गया

» हर गतिविधि होगी ऑनलाइन मुख्य सचिव ने जारी किया आदेश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी कर्मचारी अब अपनी कोई भी जानकारी छिपा नहीं सकेंगे। आठ लाख कर्मचारियों की जांच संबंधित प्रक्रिया, विदेश यात्रा, मिली हुई सजाएं समेत अन्य सभी जानकारियां अब मानव संपदा पोर्टल पर उपलब्ध होगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों के सेवा प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य कर्मचारियों का सेवा विवरण, जैसे नियुक्ति, कार्यभार ग्रहण, कार्यमुक्ति, अवकाश प्रबंधन, मेरिट आधारित ऑनलाइन स्थानांतरण, वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीआर), वेतन आहरण और सेवा पुस्तिका प्रबंधन, मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से किए जा रहे हैं। इस पोर्टल को कर्मचारी डेटा और प्रक्रियाओं के केंद्रीकृत प्रबंधन के लिए डिजाइन किया गया है जिसकी उच्च स्तरीय निगरानी भी की जा रही है हालांकि अभी तक कर्मचारियों के खिलाफ चल रही विभागीय जांच, सतर्कता जांच या अभियोजन की जानकारी इस पोर्टल पर उपलब्ध नहीं थी।

इस कमी को दूर करने के लिए सरकार ने पोर्टल पर इन जानकारियों को शामिल करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ने इस संबंध में पोर्टल पर आवश्यक तकनीकी व्यवस्था भी पूरी कर ली है। पत्र के अनुसार कर्मचारियों की पदोन्नति, विदेश यात्रा और अन्य सेवा-संबंधी प्रकरणों के निस्तारण के दौरान यह जानकारी आवश्यक होती है कि उसके खिलाफ कोई जांच या अभियोजन प्रचलित है या नहीं, यह सब दर्ज किया जाएगा।

ऐसी जानकारी के अभाव में प्रक्रियाओं में देरी और अस्पष्टता की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। मानव संपदा पोर्टल पर जांच से संबंधित विवरण दर्ज करने से न केवल प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी बल्कि निर्णय लेने में भी तेजी आएगी। यह कदम कर्मचारी प्रबंधन में डिजिटल तकनीक के उपयोग को और मजबूत करेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और सचिवों को निर्देश दिया है कि वे अपने विभागों और अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ चल रही विभागीय जांच, अभियोजन और सतर्कता जांच का विवरण विभागीय एडमिन के माध्यम से मानव संपदा पोर्टल पर शीघ्र दर्ज कराएं। विभागीय स्तर पर इसकी समीक्षा कर इसे जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया गया है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय सरकार के डिजिटल गवर्नेंस और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक बड़ा कदम है। मानव संपदा पोर्टल पर जांच-संबंधी जानकारी उपलब्ध होने से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सुगम होंगी बल्कि कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाइयों की निगरानी भी अधिक प्रभावी होगी इससे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी। सरकार ने इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए एनआईसी के साथ मिलकर तकनीकी ढांचा तैयार कर लिया है लेकिन इसका सफल कार्यान्वयन विभागों की सक्रियता और समन्वय पर निर्भर करेगा। कर्मचारी संगठनों ने इस कदम का स्वागत किया है लेकिन साथ ही यह भी मांग की है कि पोर्टल पर दर्ज जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

अधिवक्ता दीनू को पैदल जेल ले गई पुलिस

बसपा नेता पिंटू सेंगर हत्याकांड में की गई थी गिरफ्तारी, समर्थकों में दिखा आक्रोश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बसपा नेता पिंटू सेंगर हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए अधिवक्ता दीनू उपाध्याय को शनिवार सुबह जेल भेज दिया गया। एहतियात के तौर पर पुलिस ऑफिस से जेल गेट तक भारी पुलिस फोर्स मौजूद रहा। दीनू को पुलिस ऑफिस से जेल पैदल ले जाया गया। इससे पहले भारी पुलिस फोर्स ने कचहरी के आसपास फ्लैग मार्च भी किया। इस दौरान दीनू के समर्थकों में खासा आक्रोश दिखाई दिया।

चकेरी थानाक्षेत्र में 20 जून 2020 को बसपा नेता पिंटू सेंगर पर हमला हुआ था। कार से उतरते ही उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर हत्या कर दी गई थी। इससे पहले उनपर जानलेवा हमला भी किया गया था। जिस मामले में कोर्ट ने कुछ दिन पहले ही हिस्ट्रीशीटर सउद अख्तर और पप्पू स्मार्ट को 10-10 साल की सजा सुनाई थी। पिंटू सेंगर की हत्या के मामले में भी दीनू उपाध्याय का नाम आया था लेकिन विवेचना में नाम बाहर कर दिया गया था। इस पर पिंटू सेंगर के भाई ने पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई थी। पुलिस कमिश्नर ने दोबारा जांच कराई तो हत्या में दीनू की संलिप्तता मिली।

पहले विवेचना में नाम बाहर करने वालों की जांच के आदेश पुलिस कमिश्नर ने दिए हैं। इसके बाद शुक्रवार देर रात पुलिस ने नवाबगंज से दीनू की गिरफ्तारी की थी। समर्थकों के हंगामे की आशंका पर पुलिस ने रातभर दीनू को अलग-अलग थाने में रखा। पुलिस ने उसे देर रात ही जेल में

दाखिल करने की कोशिश भी की लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इस पर उसे पुलिस लाइन में रखा गया। शनिवार सुबह करीब 10 बजे भारी पुलिस सुरक्षा के बीच उसे लाइन से पैदल ले जाकर जेल में दाखिल किया गया। पुलिस ऑफिस से रजिस्ट्री कार्यालय, महिला थाना रोड पर जेल गेट तक भारी पुलिस फोर्स तैनात रही।

गंजे सिर पर बाल उगाने की चाहत में चली गई इंजीनियर की जान

» 13 मार्च को शुरू हुआ हादसा, 14 को हुई मौत

» हेयर ट्रांसप्लांट में इंफेक्शन के बाद सूज गया था चेहरा, डॉक्टर पर मुकदमा दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के विनीत सोशल मीडिया पर दिखते बिफोर-आफ्टर हेयर ट्रांसप्लांट के विज्ञापनों ने उन्हें प्रभावित किया. बालों की समस्या का हल ढूंढने पहुंचे एक युवा इंजीनियर की जिन्दगी ही खत्म हो गई। पनकी पॉवर प्लांट में तैनात सहायक अभियंता विनीत दुबे (37) एक प्राइवेट क्लिनिक में हेयर ट्रांसप्लांट कराने गए थे, लेकिन यह कॉस्मेटिक प्रक्रिया उनकी जान पर बन आई। इंजेक्शन लगते ही उनकी हालत बिगड़ने लगी और आखिरकार इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

गोरखपुर निवासी विनीत दुबे कानपुर की रावतपुर थाना क्षेत्र स्थित ऑफिसर कॉलोनी में परिवार संग रहते थे। वे 13 मार्च को 'इंपायर वाराही क्लिनिक' में डॉक्टर अनुष्का तिवारी के पास

हेयर ट्रांसप्लांट कराने पहुंचे थे। आरोप है कि जैसे ही डॉक्टर ने उन्हें इंजेक्शन लगाया, विनीत के चेहरे पर सूजन आ गई और तबीयत अचानक खराब हो गई। हालत बिगड़ने पर पहले उन्हें एक नजदीकी प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रिजेंसी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां 14 मार्च को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

डॉक्टर फरार, क्लीनिक बंद, परिजन भटकते रहे

विनीत की पत्नी जया दुबे का कहना है कि डॉक्टर अनुष्का ने शुरुआत में फोन कर सिर्फ चेहरे पर सूजन की बात कही थी, लेकिन जब हालत गंभीर हुई तो उसने क्लिनिक और मोबाइल दोनों बंद कर दिए और गायब हो गई। परिजन लगातार पुलिस, चौकी, एसीपी और डीसीपी के दफ्तरों के चक्कर काटते रहे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिरकार 54 दिन बाद, मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायत और साक्ष्यों के आधार पर रावतपुर थाने

मृतक विनीत दुबे

में एफआईआर दर्ज की गई।

एफआईआर दर्ज होते ही एक्शन शुरू

एसीपी अभिषेक पांडेय ने पुष्टि की कि इंजीनियर की पत्नी की तहरीर पर डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही से मौत की धारा के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि ऑडियो, वीडियो और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जाएगी और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्लाट का रजिस्टर्ड एग्रीमेंट कर ठगे 15.30 लाख, पीड़ित कारोबारी ने पांच के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्लाट का सौदा होने के बाद रजिस्टर्ड एग्रीमेंट हुआ। दो बार में कारोबारी ने 15.30 लाख रुपये भी दिए। इसी बीच दूसरे को प्लाट की रजिस्ट्री कर दी गई। कारोबारी ने पैसे मांगे तो झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कारोबारी ने गोविंदनगर थाने में महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ ठगी व धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। रतनलालनगर निवासी लव गेरा का पोल्ट्री फार्म है।

उन्होंने बताया कि गुजैनी निवासी प्रापर्टी डीलर राकेश कुमार ओझा उर्फ घनश्याम के माध्यम से बर्रा तीन स्थित एक प्लाट का सौदा हुआ था। प्लाट रतनलालनगर की सुमन आहूजा का था। 8 जनवरी 2021 को रजिस्टर्ड एग्रीमेंट के बाद 25,50,000 रुपये प्लाट की कीमत तय हुई। 4 दिसंबर 2021 को सुमन और राकेश के कहने पर उन्होंने अरुण आनंद के खाते में 7 लाख रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद 6 जनवरी 2022 को 8,30,000 रुपये सुमन आहूजा के खाते में ट्रांसफर किया। रजिस्टर्ड एग्रीमेंट में राकेश और उसका दोस्त गांधीनगर निवासी पंकज कुमार सिंह गवाह बने।

बकाया रकम रजिस्ट्री के बाद देने पर सहमति बनी। जब उन्होंने रजिस्ट्री का दबाव बनाया तो सुमन और राकेश आश्वासन देते रहे। उनके बार-बार टरकाने पर संदेह हुआ तो छानबीन की। इस पर पता चला कि सुमन ने जून 2023 में प्लाट की रजिस्ट्री राकेश ओझा के नाम पर कर दी है। जिसमें श्यामनगर निवासी मनोज कुमार अवस्थी और केशवपुरम के शंकर भट्टाचार्य गवाह हैं। जब उन्होंने रुपये मांगे तो आरोपी ने झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। गोविंदनगर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कारोबारी की शिकायत पर ठगी, धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सम्पादकीय

घरेलू व अंतर्राष्ट्रीय समर्थन से मिली मजबूती

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे-सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप-रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत-पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया।

मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई। इसी तरह पहलगाम हमले के बाद सीधी कार्रवाई करके साफ संदेश दिया कि किसी भी आतंकी हमले का जवाब आतंकवाद को सींचने वाले पाक पर भारत सीधी कार्रवाई करेगा। भारत ने पहले पूरी दुनिया को पुलवामा हमले की साज़िश के सबूत दिए ।

मुस्लिम देशों में अलग-थलग पड़ता पाक

डॉ. जगदीप सिंह

इस समय जो संघर्ष चल रहा है, उसमें पाकिस्तान जिस तरह से अलग-थलग पड़ता जा रहा है, वह आने वाले दिनों में उसके लिए कुछ दूसरी तरह की मुश्किलें खड़ी करेगा, जिसकी शुरुआत उसकी घरेलू राजनीति से ही होगी।चाड के राजनयिक हिसेन ब्राहिम ताहा, 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 12वें महासचिव हैं। 17 नवम्बर, 2021 से वो इस पद को सम्हाल रहे हैं। ताहा, तुर्किये के राष्ट्रपति रिज़प तैय्यप एर्दोआन के 'यस मैन' माने जाते हैं। ताहा की आत्मा, तुर्की और एर्दोआन में बसी रहती है। वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के बाद से तुर्की, इस्लामिक सहयोग संगठन में एक प्रमुख खिलाड़ी की भूमिका में रहा है। ओआईसी के कई सारे सदस्य मानते हैं, कि तुर्की इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। न्यूयार्क से जारी अपने बयान में, ओआईसी ने दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को 'अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से' हल करने का भी आह्वान किया। लेकिन, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा, कि यह दो देशों के बीच का मामला है, इसमें आपकी नसीहत की ज़रूरत नहीं।

पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर एर्दोआन जो दाव चल रहे हैं, उससे पूरी दुनिया वाकिफ है। विगत 56 वर्षों से शह-मात का यह खेल चल रहा है। वर्ष 1969 में मोरक्को के किंग हसन द्वितीय ने रबात में 1969 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत सरकार को आमंत्रित किया। लेकिन, पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल याह्या खान द्वारा, बैठक से बाहर निकलने की धमकी दिए जाने के बाद, शाह हसन द्वितीय ने भारतीय प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल न होने का अनुरोध किया।पाकिस्तान, तेहरान में ओआईसी 1994 सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों को 'कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह' बनाने के लिए राजी करने में सफल रहा। इस्लामी सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद का 46वां सत्र 1 और 2 मार्च, 2019 को अबू धाबी में आयोजित किया गया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को संयुक्त अरब अमीरात के उनके समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान द्वारा उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में आमंत्रित किया गया था। तब पाकिस्तान को शदीद मिर्ची लगी।

पाकिस्तान ने भारत द्वारा अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का हवाला देते हुए उसे शिखर सम्मेलन से निष्कासित करने की मांग की। ओआईसी ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कश्मीर संपर्क समूह की आपातकालीन बैठक बुलाई, यह बैठक 26 फरवरी, 2019 को हुई। हालांकि, ओआईसी ने भारत द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की निंदा की, लेकिन, यूएई ने भारत को निमंत्रण वापस करने से इनकार कर दिया। सुषमा स्वराज उस मंच पर गयी, और अपने ओजपूर्ण भाषण से पाकिस्तान को एक्सपोज़ किया। सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए, कि आतंकवाद को बढ़ाया जाना दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक है। ओआईसी के मंच पर यह पाकिस्तान की पहली हार थी।

इमरान ख़ान के समय सऊदी अरब से भी ठन गई, जो ओआईसी का दबंग देश है। जेद्दा में ओआईसी का मुख्यालय सऊदी खर्चे पर ही चल रहा है। अन्य कई पूर्वाग्रहों के अलावा पाकिस्तान, सऊदी से इस बात पर भी खार खाये था, कि कश्मीर मुद्दे पर वो खुलकर उसका समर्थन नहीं कर रहा। शाह महमूद कुरैशी सऊदी अरब से तपे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि क़ालालम्पुर सम्मेलन में जाने से हमें रियाद ने रोका था। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार के अनुसार, कुरैशी की टिप्पणियों से सऊदी अरब के अधिकारी भड़क गए, जो ओआईसी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसने 3?.2 बिलियन डॉलर की तेल ऋण सुविधा को रोक दिया, और पाकिस्तान से 3 बिलियन डॉलर के ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने की मांग की। सिर्फ इतने भर से पाकिस्तान की हवा निकल गई। उन दिनों इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शाह महमूद कुरैशी ने एक ब्रॉडकास्टर के ज़रिये बयान दिया, 'मैं एक बार फिर सम्मानपूर्वक ओआईसी से कह रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है कि कश्मीर पर बैठक बुलाएँ। हमारी अपनी संवेदनशीलताएं हैं। खाड़ी देशों को यह समझना चाहिए।'

वर्ष 1994 में कश्मीर पर जो ओआईसी संपर्क समूह बनाया गया था, उसमें सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान, अजरबैजान और नाइजर शामिल रहे हैं। बाद में सऊदी अरब, नाइज़र और अजरबैजान इस मुद्दे पर मौन रह गए। संपर्क समूह, ओआईसी सदस्यों के बीच बढ़ते सहयोग, कश्मीरी लोगों का तथाकथित स्वशासन और स्वायत्तता को समर्थन करने पर जोर देता था। पाकिस्तानी प्रशासन की हमेशा से यह हठधर्मिता रही है, कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र के रेज़ोल्यूशन के अनुसार कश्मीर का भविष्य तय किया जाना चाहिए। दरअसल, 1964, 1972, 1999 और 14 से 16 जुलाई, 2001 तक आहूत आगरा शिखर सम्मेलन में भी कश्मीर समस्या का समाधान पकिस्तान ने होने नहीं दिया।

उम्दा रक्षा तकनीक से सधा 'ऑपरेशन सिंदूर'

चर्चा में चेहरा

अरुण नैथानी

भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक-निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है।

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बीते 6-7 मई की रात को शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य आतंकी संगठनों के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और भारत में भविष्य के हमलों को रोकना था।योजना की शुरुआत पहलगाम हमले के तुरंत बाद हुई, जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। लक्ष्यों की पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी, मानव खुफिया जानकारी और इंटरसेप्टेड संचार का उपयोग किया गया। ऑपरेशन को गोपनीय और सटीक रखने के लिए केवल शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकारी नेतृत्व को इसकी जानकारी थी। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले आतंकी ठिकानों तक सीमित रहें।ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से काम किया, जो 54 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर

हुआ। भारतीय वायुसेना ने राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जो सटीक हमलों के लिए महत्वपूर्ण थे। थल सेना ने एम777 हल्की होवित्जर तोपों के साथ सहायता प्रदान की, जबकि नौसेना ने समुद्री निगरानी और समर्थन में योगदान दिया। विशेष बलों ने ऑपरेशन से पहले लक्ष्यों की टोह ली और हमलों के बाद नुकसान का आकलन किया। ऑपरेशन के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। खुफिया एजेंसियों, विशेष रूप से रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), ने लक्ष्यों का चयन किया, जैसे कि बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभान अल्लाह और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप।

ऑपरेशन में अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों का उपयोग किया गया। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक-निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है।मिराज 2000 जेट्स ने स्पाइस 2000 और पोपआई बमों का उपयोग किया, जबकि एम777 होवित्जर तोपों से एक्सकैलिबर 155 मिमी सटीक-निर्देशित गोले दागे गए। आत्मघाती ड्रोन, जैसे स्काईस्ट्राइकर लॉइटरिंग म्युनिशन, ने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को नष्ट किया। मेटियोर मिसाइलों ने हवाई सुरक्षा सुनिश्चित की। इन हथियारों ने भारत की सैन्य तकनीक में उन्नति को प्रदर्शित किया, जो 2019 के बालाकोट हमले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी थी। ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेरॉन ड्रोन ने रीयल-टाइम सर्विलांस और माइक्रो-म्युनिशन हमलों में योगदान दिया। स्काईस्ट्राइकर जैसे कामिकेज ड्रोन ने लक्ष्यों पर लंबे समय तक मंडराकर सटीक हमले किए। सैटेलाइट इमेजरी ने लक्ष्यों की सटीक स्थिति और नुकसान के आकलन में मदद की।थर्मल इमेजिंग और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड सिस्टम ने रात के ऑपरेशन को संभव बनाया। ड्रोन ने 100 किलोमीटर की गहराई तक प्रवेश किया, जिससे पाकिस्तानी रडार को चकमा देने में मदद मिली। सैटेलाइट डेटा ने हमलों के बाद मरकज सुभान अल्लाह जैसे ठिकानों के पूर्ण विनाश की पुष्टि की। ऑपरेशन की कमान एनएसए अजीत डोभाल ने संभाली, जो तीनों सेनाओं के साथ समन्वय में थे।

कल्याणपुर के बाबा मनकामेश्वर धाम में आयोजित हुआ भव्य भंडारा

विशाल भंडारे से सुसज्जित हुआ बाबा मनकामेश्वर धाम, भक्तों में दिखी आस्था की उमंग

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। धार्मिक आस्था और सामाजिक सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला कल्याणपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा मनकामेश्वर मंदिर में, जहाँ द्विवेदी हार्डवेयर के संचालक अर्पित द्विवेदी और अंकुर द्विवेदी द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

इस पुण्य अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और भक्तिमय वातावरण में भजन, कीर्तन और प्रसाद वितरण की दिव्य अनुभूति प्राप्त की। मंदिर प्रांगण में भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया और बाबा मनकामेश्वर के दर्शन कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना की।

भंडारे में बिठूर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने भी विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना करने के पश्चात श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद ग्रहण किया और इस धार्मिक आयोजन की सराहना करते हुए कहा, ऐसे आयोजनों से समाज में अध्यात्म, सद्भाव और सेवा की भावना को बल मिलता है।

इस आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अर्पित और अंकुर द्विवेदी ने सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह भंडारा बाबा मनकामेश्वर की कृपा से सफल हुआ है, और आगे भी इस तरह के आयोजन समाज की सेवा में समर्पित रहेंगे।

यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा और समरसता का संदेश भी छोड़ गया।

दीप सिनेमा के बेसमेंट में चल रहे कॉस्मो जिम में, मादक पदार्थों की सूचना पर पुलिस टीम ने छापा मारा

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। किदवईनगर थाना क्षेत्र के साकेत नगर में स्थित दीप सिनेमा के बेसमेंट में चल रहे कॉस्मो जिम में मादक पदार्थों की सूचना मिलने पर एडीसीपी महेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत ही छापा मारा।

साथ ही कई थानों की फोर्स मौके पर मौजूद भी है। और दीप सिनेमा के बेसमेंट में चल रहे कॉस्मो जिम के संचालक नौबस्ता के चंदीपुरवा निवासी लवी मिश्रा और गोविंद नगर के संकल्प गुलाटी भी हैं।

BH बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

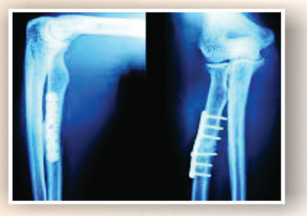

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

प्यार में मिली बेवफाई तो युवक ने दे दी जान

शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाती पुलिस

स्वराज इंडिया संवाददाता

मसौली (बाराबंकी)। प्यार में असफलता मिलने से क्षुब्ध एक 20 वर्षीय युवक ने भोर लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित दादरा गांव के निकट कब्रिस्तान की झाड़ियों मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची सफदरगंज पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दादरा के निकट हाइवे के किनारे स्थित कब्रिस्तान मे फांसी के फंदे से लटके युवक के शव को देखकर ग्राम प्रधान ने पुलिस को सूचना दी मौक़े पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने फारसेंसिक साक्ष्य के नमूने एकत्रित

युवक ने पेड़ से फांसी लगाकर की आत्महत्या

करते हुए शव को उतरवा कर जमा तलाशी ली तो मृतक के पास मोबाईल फोन व आधार कार्ड बरामद हुआ जिसके आधार पर मृतक की शिनाख्त हर्ष रावत पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी ग्राम मँझपुरवा मजरे बंभौरा थाना जैदपुर के रूप मे हुई पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शनिवार को घर से गायब हुआ था हर्ष रविवार की सुबह 5 बजे माँ को किया था फोन

मृतक हर्ष रावत का प्रेम प्रसंग जैदपुर थाना क्षेत्र के ही ग्राम परसौला की एक युवती से चलता था परिजनों के मुताबिक शनिवार को हर्ष उस युवती के साथ लापता हो गया था

और रात्रि मे ही युवती के परिजनों ने दोनो को बरामद कर युवती को अपने साथ लेकर चले गये और हर्ष को दुबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी दी थी जो बाते फांसी लगाने से पहले मृतक ने अपनी माँ को फोन लगाकर कहा था कि अब हम जिंदा नही रहेंगे और फांसी लगा लेंगे

जिसके बाद हर्ष के परिजन तलाश ही कर रहे थे कि पुलिस ने बताया कि हर्ष ने ग्राम दादरा के निकट फांसी लगा ली है। जानकारी होते ही परिजनों मे हाहाकार मच गया ।

अर्जुन की मौत का कौन जिम्मेदार?

यूपी के बुलंदशहर जनपद में 2 मई से क्रकी छात्रा कुमकुम लापता हुई। गांव के अर्जुन सिंह पर किडनैप करने की FIR हो गई। पुलिस ने कई दिन अर्जुन के घर दबिश दी, सामान तोड़ डाला। अर्जुन डर के मारे इधर-इधर छिपा घूम रहा था। 7 मई को अर्जुन की लाश पेड़ से लटकी मिली।ट्रुअब आज पता चला है कि कुमकुम किसी दूसरे लड़के मोहित के साथ गई थी। दोनों ने कोर्ट मैरिज भी कर ली है। पुलिस की ज्यादती की वजह से एक निर्दोष लड़का इस जिंदगी से चला गया,जबकि उसका रत्ती भर रोल नहीं था। सिर्फ उसको डर था कि पुलिस पकड़ेगी तो बहुत मारेगी। बिना जांच पड़ताल किए एक निर्दोष लड़के और उसकी फैमिली पर प्रेशर डालने वाले दोषी पुलिसकर्मियों पर कठोर एक्शन होना चाहिए।क्योंकि उसकी जिंदगी वापस नहीं आ सकती....!!

स्वाद में तीखी पर किसानों के जीवन में मिठास घोल रही है हरी मिर्च

» बाराबंकी जिले में निन्दुरा, देवा, फतेहपुर ब्लाक हरी मिर्च और लहसुन की सह फसली खेती के रूप में मशहूर

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जिले में निन्दुरा, देवा, फतेहपुर ब्लाक हरी मिर्च और लहसुन की सह फसली खेती के बेल्ट के रूप में जाने जाते हैं।

जिला मुख्यालय बाराबंकी से 38 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित नगर पंचायत बेलहरा में बड़े पैमाने पर हरी मिर्च की खेती करने वाले रमेश मौर्य बताते हैं हमने इस बार भी करीब 2 एकड़ क्षेत्रफल में हरी मिर्च और लहसुन की सहफसली खेती की है

सितंबर के अंत में और अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में हम लहसुन की बुवाई कर देते हैं अक्टूबर में ही हम मिर्च की नर्सरी कर देते हैं जिसकी जनवरी के प्रथम सप्ताह में खेतों में रोहित कर दिया जाता है मार्च में लहसुन की फसल तैयार हो जाती है और लहसुन की खुदाई करके खेतों से लहसुन की फसल को निकाल लेते हैं। आगे वह बताते हैं कि लहसुन की फसल तैयार होने के बाद हम नाला बना कर मिर्च के पौधों पर मिट्टी चढ़ा देते हैं ताकि मई–जून में तेज आंधी आने पर हमारी मिर्च की फसल को नुकसान ना हो मिट्टी चढ़ाते वक्त हम थोड़ी बहुत खाद भी पौधे को दे देते हैं और सिंचाई कर देते है। रमेश बताते हैं कि 1 एकड़ में करीब 20 कुंतल लहसुन का उत्पादन हो जाता है इससे हमारी पूरी लागत निकल आती है मिर्च की फसल हमें एक हिसाब से मुफ्त में मिलती है हरी मिर्च का उत्पादन भी अप्रैल में शुरू हो जाता है जो अगर अधिक बरसात ना हो तो सितंबर तक लगातार उत्पादन होता रहता है ।आगे मौर्य और बताते हैं कि हरी मिर्च का उत्पादन औसतन 120 कुंटल तक होता है लेकिन अच्छे किसान अपने खेतों में करीब प्रति एक़ 200 कुंटल तक का उत्पादन करते हैंलागत और मुनाफे के बारे में आगे बताते हैं कि 1 एकड़ खेती में करीब ?20000 की लागत लग जाती है जो हमारी लहसुन से ही निकल आती है इस साल लहसुन और हरी मिर्च दोनों का भाव अभी अच्छा चल रहा है जिससे हमें उम्मीद है कि हर साल की

खेत में मिर्ची तोड़ती श्रमिक महिला

अपेक्षा इस बार हमें अच्छा मुनाफा मिलेगा पिछली बार लहसुन बड़ा सस्ता बिका था और हरी मिर्च का भी रेट कुछ अच्छा नहीं रहा था पर अब की बार ऐसा नहीं लगता है की भाव गिरेगा जिससे अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद है

करीब अट्ठारह सौ पचास हेक्टेयर क्षेत्रफल में हो रही हरी मिर्च

जिला उद्यान अधिकारी धीरेंद्र कुमार सिंह कहते हैं कि इस बार हरी मिर्च की खेती का दायरा बड़ा है करीब अट्ठारह सौ पचास हेक्टेयर क्षेत्रफल में हरी मिर्च की खेती बाराबंकी जिले में की जा रही है। प्रति हेक्टेयर लगभग 260 कुंटल औसतन मिर्च का उत्पादन होता है आगे बताते हैं कि करीब 500000 कुंटल हरी मिर्च का उत्पादन अकेले बाराबंकी जिला करता है।

कुछ ही देर में गुमशुदा बच्चे को पुलिस ने खोज निकाला

गुमशुदा बच्चा सकुशल मिलने से उपरोक्त बच्चे के परिजनों के बीच छाया हुआ मातम पल भर में खुशियों में हुआ तब्दील

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात।पुलिस टीम ने एक गुमशुदा बच्चे को ढूंढ कर उसे उसके परिजनों के हवाले कर दिया पुलिस के प्रयासों से सुरक्षित मिले गुमशुदा बच्चे को पा करके बच्चों के परिजनों के बीच छाया मातम पल भर में खुशियों में तब्दील हो गया और उपरोक्त बच्चों के परिजनों ने जनपद कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्रा के नेतृत्व में एवं अपर पुलिस अधीक्षक के राजेश पांडेय के मार्गदर्शन में जनपद वासियों को मिल रही बेहतरीन पुलिसिंग व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए जनपद कानपुर देहात की पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया है.

इनपुट के अनुसार 11.05.2025 को समय करीब 16.20 बजे चन्द्रप्रकाश उर्फ पिन्टू पुत्र रामप्रकाश निवासी मरूआ शाहजहांपुर थाना सट्टी कानपुर देहात के द्वारा थाना सट्टी पर एक प्रार्थना पत्र दिया गया जिसमें अपने 11 वर्षीय पुत्र आयुष का घर से कही चले जाना व बहुत खोजने पर न मिलना बताया गया। उपरोक्त सूचना पर थाना सट्टी पुलिस ने एक संयुक्त टीम उ0नि0 शिवप्रसाद, का0 सोनू कुमार व म0का0 अनामिका को बच्चे को खोजने हेतु रवाना किया । उपरोक्त पुलिस टीम ने आस-पास सभी क्षेत्रों में उपरोक्त गुमशुदा बच्चे की तलाश की .. और पुलिस टीम ने लापता बच्चा आयुष को गौरीकरन गांव थाना क्षेत्र सट्टी कानपुर देहात के बाहर पुलिया के पास से खोज निकाला । इसके बाद पुलिस टीम ने उपरोक्त बच्चे को उसकी मां श्रीमती शिल्पी देवी पत्नी चन्द्रप्रकाश निवासी मरूआ शाहजहांपुर थाना सट्टी कानपुर देहात को बच्चे को सकुशल सुपुर्द किया। गुमशुदा बच्चा पूरी तरीके से सुरक्षित मिलते ही बच्चों के परिजनों के बीच छाया हुआ मातम पल भर में खुशियों में तब्दील हो गया और बच्चे के परिजनों ने जनपद कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एवं अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जनपद वासियों को मिल रही बेहतरीन पुलिसिंग व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए जनपद कानपुर देहात की पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा पुलिस के इस सराहनीय कार्य की उपरोक्त बच्चे के परिजनों तथा लोगों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

पानी के लिए तरसता मलासा ब्लॉक मुख्यालय

» विकास की योजनाएं संचालित करने वाला यही कार्यालय अब खुद अव्यवस्थाओं की चपेट में है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । मलासा ब्लॉक मुख्यालय खुद पानी की किल्लत से बेहाल है। विकास की योजनाएं संचालित करने वाला यही कार्यालय अब खुद अव्यवस्थाओं की चपेट में है। हालात ये हैं कि मुख्य गेट के पास लगा हैंडपंप पूरी तरह खराब हो चुका है और प्रधान सहायक पटल के पास लगा आरओ वाटर कूलर भी बंद पड़ा है। यही नहीं, ब्लॉक परिसर में क्षेत्र पंचायत निधि से बनी पानी की टंकी की समरसेबिल पंप का स्टार्टर फॉल्ट होने से वह भी ठप है। नतीजा ये कि कर्मचारियों और ब्लॉक में आने वाले ग्रामीणों को तपती गर्मी में पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

गांव से प्यासे लौटते ग्रामीण, प्रशासन बेखबर

ब्लॉक मुख्यालय में हर दिन प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और ग्रामीणों की आवाजाही होती है, लेकिन पेयजल की समस्या उन्हें परेशान कर रही है। प्यास से बेहाल लोग कभी गांव जाकर किसी के घर से पानी मांगते हैं, तो कभी प्यासे ही लौट आते हैं। हैरानी की बात यह है कि बीडीओ संजू सिंह को मामले की जानकारी तक नहीं है। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं थी, लेकिन अब खराब पड़े हैंडपंप और वाटर कूलर की मरम्मत कराई जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कितना झूठ बोलोगे प्रधान जी...?

» ग्राम प्रधान और सचिव की अनदेखी से ग्राम शेरपुर बैरा में सचिवालय और शौचालय में महीनों से लटक रहे ताले

» सरकारी योजनाओं में हुई है जमकर धन उगाही

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। विकासखंड चौबेपुर की ग्राम पंचायत शेरपुर बैरा में सरकारी उदासीनता का स्याह चेहरा सामने आया है, जहां महीनों से ग्राम सचिवालय और शौचालय दोनों पर ताले लटक रहे हैं। न तो ग्राम प्रधान सुरेश सिंह चंदेल दिखाई देते हैं और न ही सचिव मुकेश उपाध्याय की कोई उपस्थिति है। सचिवालय के बंद दरवाजे ने जहां ग्रामीणों के कार्यों को ठप कर दिया है, वहीं शौचालय के लंबे समय से बंद रहने से महिलाएं और बुजुर्ग खुले में शौच को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि दोनों जिम्मेदारों ने सरकारी योजनाओं के नाम पर भ्रष्टाचार किया है, जिससे न तो विकास हो रहा है और न ही मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं।

गांव में निर्मित सामुदायिक महिला शौचालय में महीनों से लटक रहा ताला

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।कानपुर नगर के विकासखंड चौबेपुर की ग्राम पंचायत शेरपुर बैरा में महीनों से बंद पड़े शौचालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को करारा झटका दिया है। ग्रामीणों के अनुसार लाखों रुपये की लागत से बने सार्वजनिक शौचालय पर ताला लटक रहा है, जिससे गांव की महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे आज भी खुले में शौच करने को मजबूर हैं। न ग्राम प्रधान सुरेश सिंह चंदेल ने इस ओर ध्यान दिया और न ही सचिव मुकेश उपाध्याय ने कोई कार्रवाई की। शौचालय के रख-रखाव, सफाई और उपयोग के नाम पर हर वर्ष बजट जारी होता है, लेकिन हकीकत में सुविधाएं शून्य हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह लापरवाही नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार है, जिसने न सिर्फ सरकारी योजनाओं को मज़ाक बना दिया है, बल्कि गांव की गरिमा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सीधा आघात किया है।

ग्राम प्रधान और सचिव पर लग रहे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

कानपुर नगर के विकासखंड चौबेपुर की ग्राम पंचायत शेरपुर बैरा में ग्राम सचिवालय और शौचालय में महीनों से लटक रहे ताले ग्रामीणों के लिए प्रतीक बन गए हैं सरकारी उदासीनता और भ्रष्टाचार के। ग्राम प्रधान सुरेश सिंह चंदेल और ग्राम सचिव मुकेश उपाध्याय पर ग्रामीणों ने खुलेआम गंभीर आरोप लगाए हैं कि दोनों मिलकर सरकारी योजनाओं का पैसा हड़प रहे हैं, जबकि ज़मीनी स्तर पर कोई सुविधा नहीं मिल रही। सचिवालय बंद रहने से आमजन को जरूरी प्रमाण पत्रों और योजनाओं का लाभ नहीं

मिल पा रहा, वहीं शौचालय बंद होने से स्वच्छ भारत मिशन की साख को भी गहरा धक्का लगा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी, तो वे ब्लॉक मुख्यालय पर प्रदर्शन करेंगे।

बीडीओ के संज्ञान में मामला, कार्यवाही का इंतजार

ग्राम पंचायत शेरपुर बैरा में सचिवालय और शौचालय में महीनों से लटक रहे ताले और ग्राम प्रधान-सचिव पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों का मामला अब विकासखंड अधिकारी (बीडीओ) के संज्ञान में आ चुका है। ग्रामीणों द्वारा बार-बार की गई शिकायतों और दैनिक स्वराज इंडिया में मामला उजागर होने के बाद बीडीओ ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल ग्रामीण समुदाय कार्यवाही के इंतजार में है और प्रशासन की सक्रियता की ओर टकटकी लगाए बैठा है, ताकि बंद व्यवस्था के ताले खुल सकें और योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच सके।

भारत सेवक समाज द्वारा आयोजित की गई शिक्षा पर चिंतन गोष्ठी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। भारत सेवक समाज, कानपुर मंडल द्वारा आज एक चिंतन गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन लेनिन पार्क स्थित पानी टंकी परिसर, कानपुर में किया गया।

वक्ताओं ने गोष्ठी में शिक्षा- सशक्त समाज की आधारशिला विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। यह विचार विमर्श वर्तमान समय में शिक्षा की बदलती भूमिका, नवाचार, डिजिटल युग में शिक्षा की प्रासंगिकता और विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा पर केंद्रित रहा, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के महत्व पर गहन विचार-विमर्श करना तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।प्रतिभा सम्मान के अंतर्गत वर्ष 2025 की इंटर परीक्षा में उत्तर प्रदेश में आठवां एवं कानपुर महानगर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री जीविका श्रीवास्तव के साथ उत्तर प्रदेश में सोहलवां और कानपुर नगर में सातवां स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री ईशिका श्रीवास्तव को संस्था द्वारा सम्मानपत्र मोमेंटो और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। यह इस बात का संदेश है कि बेटियां

न केवल शिक्षा में आगे बढ़ रही हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की प्रतिनिधि भी हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के मंडल अध्यक्ष सुखवीर सिंह मलिक द्वारा तथा संचालन एडवोकेट आर.पी. श्रीवास्तव, संयोजक द्वारा किया गया। इस अवसर आयकर अधिकारी एवं महामंत्री शरद प्रकाश अग्रवाल, कवियत्री एवं सिविल डिफेंस की डिवीजनल वार्डन सीमा अग्रवाल, भाजपा कौशलपुरी के मंडल अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, रेवतीशरण, स्वाती गुप्ता, वीरेंद्र सिंह वर्मा, बी0एल0 गुलबिया आदि अनेक विशिष्ट गणमान्य लोगों के अलावा नीरज, पूर्णिमा, स्वाती श्रीवास्तव, धीरज, अंकुर, कृष्णा, विष्णु, निर्भय निगम, देवेंद्र प्रताप सिंह, रमेश चंद्र, नेहा, नीमा, शैलेन्द्र यादव, सौरभ, डिम्पल, अनुपमा, प्रमोद,चंद्रहास सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

घर में दंपती और दो बेटियों के शव मिलने से सनसनी

मुंह दबाकर हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले में दंपती व दो बेटियों की मौत की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पत्नी के सीने पर तकिया पड़ी मिलने से मुंह दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है।

एक गांव में घर के अंदर युवक का शव फंदे से तो पत्नी और दो बेटियों के शव चारपाई पर पड़े मिले। पत्नी के सीने पर तकिया होने से तीनों का मुंह दबाकर हत्या का अनुमान है। थानाक्षेत्र के साहबखेड़ा गांव निवासी अमित (35) पुत्र उमेशचंद्र यादव खेती कर परिवार का पालन पोषण करते थे। रविवार को पड़ोसी गांव रामबक्श खेड़ा में रहने वाली मृतक की बुआ के लड़के की शादी थी। रायबरेली जिले के डलमऊ बरात गई थी, मृतक के माता-पिता और अन्य चार भाई परिवार के साथ उसी में शामिल होने गए थे। अमित पत्नी गीता (30), निधि (6) और खुशी (10) के साथ घर पर था।

मृतक के पिता और भाई पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद

सोमवार सुबह करीब 7 : 30 बजे मृतक का छोटा भाई अजीत घर आया लेकिन सभी का अलग-अलग घर होने से वह अपने घर चला गया।

कुछ देर बाद टिकरी गांव निवासी गल्ला व्यापारी बागड़ गांव में ही गेहूं खरीदने के लिए आया। मृतक अमित के घर के पास पेड़ होने से वह उसी के नीचे रुककर आराम करने लगा। तभी उसकी नजर अमित के घर में लगे जिंगले में गई तो देखा लाल गमछा और उसमें बाल दिख रहे थे।उसने अजीत को बताया, दरवाजा खटखटाना पर जब नहीं खुला तो अजीत छत के रास्ते घर के अंदर पहुंचा और नजारा देख चीख पड़ा।

अजीत के मुताबिक भाई अमित का शव गमछे के फंदे से लटक रहा था। गीता चारपाई पर थी, एक तरफ बड़ी बेटी और दूसरी ओर छोटी बेटी का शव पड़ा था। मृतका गीता के सीने पर तकिया पड़ी थी।

दर्दनाक घटना की खबर सुन ग्रामीणों की भीड़ लग गई।

थानाध्यक्ष फोर्स और फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मृतक के पिता उमेशचंद्र ने गांव के दूसरे यादव परिवार से चल रही मुकदमे बाजी में हत्या करने का आरोप लगाया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि दंपती और उनकी दो बेटियों की मौत हुई है। जांच की जा रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

रेल प्लेटफॉर्म पर गिरा पर्स, खुल गई चोर की कुंडली

» अयोध्या स्टेशन पर जीआरपी की सतर्कता से बड़ा चोर दबोचा गया

बरेली-बनारस एक्सप्रेस से महिलाओं के जेवर

मोबाइल और नगदी उड़ाने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। रेलवे में अपराध पर लगाम कसने के लिए जीआरपी ने अयोध्या कैंट स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान चला रखा है। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक की हरकतों से बड़ा खुलासा हुआ।

एक ट्रेन से प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उतरते समय उस युवक के बैग से अचानक एक लेडीज पर्स गिर पड़ा। पर्स देखकर लोगों ने जब आवाज लगाई तो वह युवक घबरा गया और पलटकर बोला-साहब, मेरा नहीं है। शक गहराया तो जीआरपी ने तत्काल घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में नाम शहजादा निवासी सुलतानपुर सामने आया।

शुरुआती पूछताछ में ही शहजादा ने स्वीकार किया कि वह ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों के बैग, मोबाइल और पर्स चुराने का काम करता है। उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन और नगदी बरामद की गई। उसने बताया कि बरेली-बनारस एक्सप्रेस की स्लीपर कोच से अयोध्या धाम जंक्शन से चलने के बाद एक महिला यात्री का पर्स चुराया था, जिसमें सोने की अंगूठी, झुमके, चांदी की पायल-बिछिया और दो मोबाइल रखे थे।

जेवर बेच दिए, पैसे मौज-मस्ती में उड़ाए

शहजादा ने पूछताछ में बताया कि उसने चोरी किए गए जेवरात सस्ते दामों पर अनजान लोगों को बेच दिया था।

वहीं पर्स में रखे रुपये उसने खाने-पीने और अपने शौक पूरे करने में उड़ा दिए। मोबाइल बेचने के इरादे से ही वह स्टेशन आया था, लेकिन पकड़ा गया। इसके अलावा उसने मार्च में मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस के एसी कोच से एक पर्स चोरी किया था जिसमें 8500 रुपये नकद, एटीएम, आधार, पैन और ड्राइविंग लाइसेंस थे। उसने नकदी निकालकर बाकी दस्तावेज किसी दूसरी ट्रेन में फेंक दिए।

बता दे रेलवे एसपी लखनऊ के निर्देशन में जीआरपी का विशेष अभियान लगातार जारी है। स्टेशन और ट्रेनों में संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि अपने सामान की निगरानी स्वयं करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे पुलिस को दें।

खंड शिक्षा अधिकारियों के जल्द होंगे तबादले, मांगी गई सूचना

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। शासन ने अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले की प्रक्रिया 15 मई से 15 जून के बीच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के तबादले की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

अपर निदेशक (बेसिक) कामता राम पाल ने सभी संयुक्त शिक्षा निदेशकों, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों व बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी करते हुए वार्षिक तबादले के लिए बीईओ के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की सूचना मांगी है। उन्होंने यह निर्देश भी दिए हैं कि उप निरीक्षक (संस्कृत) जेडी कार्यालय, उप निरीक्षक (उर्दू) कार्यालय एडी बेसिक व बेसिक शिक्षा अधिकारी के अधीन कार्यरत बीईओ से संबंधित सूचना निदेशालय के ई-मेल आईडी additionaldirectorbasic@gmail.com पर उपलब्ध कराएं।

देवीपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. विकास कुमार की निगरानी में मिला बेहतर स्वास्थ्य लाभ

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 121 मरीजों को मिला मुफ्त उपचार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के देवीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 121 मरीजों का सफल उपचार किया गया। बरौर कस्बा स्थित पीएचसी पर डॉ. शशि और उनकी टीम ने 46 मरीजों का इलाज कर उन्हें निशुल्क दवा वितरित की। वहीं मलासा में 39 और जरसेन में 36 मरीजों को उपचार और दवाएं प्रदान की गईं।

स्वास्थ्य जागरूकता के साथ इलाज भी : प्रभारी चिकित्साधिकारी ने दिए जरूरी टिप्स। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए नियमित जांच को बताया आवश्यक मेले के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. विकास कुमार ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों की समय रहते पहचान और नियमित जांच से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। इसके जरिए गंभीर समस्याओं को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस मौके पर डॉक्टर राकेश कुमार, डॉक्टर आफताब आलम, फार्मासिस्ट सुधीर कुमार, अनिल कुमार, त्रिलोकीनाथ, राम प्रताप, एलटी शिवम, फहीम, संगिनी रीता, ललिता और सुरेश कुमार समेत स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही।

डॉक्टर की लापरवाही से मासूम की मौत, अब किससे पूछें सवाल?

» परिजनों का आरोप है कि डेढ़ लाख रुपये इलाज शुरू करने से पहले जमा करने को कहा गया था, पैसे देर से जमा करने पर नहीं किया इलाज

» घटना के सम्बंध में जानकारी के लिए फोन करने पर अस्पताल के लोगो ने काट दिया फोन

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। बच्चे की किलकारियां गूंजने से पहले ही मौत की चुप्पी उसे निगल गई। यह दर्दनाक घटना अयोध्या के एक प्राइवेट चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की लापरवाही का खौफनाक नतीजा है, जिसने एक नवजात की जिंदगी को सिर्फ पैसों और लापरवाही के नाम पर कुचल दिया।

9 मई की सुबह, बेनीगंज-साकेत पुरी रोड स्थित अयोध्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में एक नवजात को वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत के चलते भर्ती कराया गया। बच्चे का जन्म गुरु कृपा हॉस्पिटल में हुआ था, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण परिवार ने उसे बेहतर इलाज के लिए चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर अंकुश शुक्ला की देखरेख में इलाज शुरू होना था, लेकिन उससे पहले ही परिवार से डेढ़ लाख रुपये जमा कराने की मांग की गई।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की प्राथमिकता बच्चे की जान नहीं, बल्कि पैसे थे। इलाज की प्रक्रिया शुरू होने में देर होती रही, और इसी बीच बच्चे की हालत और बिगड़ गई। परिवार का दावा है कि डॉक्टर ने 10 मई की सुबह कहा कि बच्चे को लखनऊ ले जाया जाए, क्योंकि अब उनके हाथ में कुछ नहीं है जबकि सच्चाई यह थी कि बच्चा करीब ढाई घंटे पहले ही दम तोड़ चुका था।

ट्रस्ट के चेयरमैन का आरोप

जनवादी ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह ने डॉक्टर अंकुश शुक्ला पर हत्या जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, यह बच्चा नहीं मरा, बल्कि मारा गया है पैसे की हवस में, डॉक्टर की बेरुखी में। अगर समय रहते इलाज शुरू होता, तो आज एक घर उजड़ने से बच जाता।

परिजन और ट्रस्ट के सदस्य अब प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि डॉक्टर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और अस्पताल को तत्काल सीज किया जाए। उनका कहना है कि जब तक सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक मासूमों की जान यूं ही जाती रहेगी।

मीडिया से बात करने से बचते रहे जिम्मेदार

फिलहाल इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन जनदबाव और मीडिया में मामले की गूंज को देखते हुए जल्द ही जांच बैठाई जा सकती है। जब इस सम्बंध में चिल्ड्रन हॉस्पिटल के नम्बर पर फोनकरके जानकरी चाही गयी तो फोन उठाने वाली महिला कर्मचारी ने डॉक्टर अंकुश शुक्ला से बात कराने के बजाय फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। कई बार फोन करने पर दुबारा नही उठाया।

स्वराज इंडिया का सवाल?

-जब नवजात के जीवन-मरण की घड़ी थी, तब डॉक्टर ने क्यों नहीं दिखाया मानवीय संवेदनाएं?

-क्या डेढ़ लाख की रकम जमा होते ही डॉक्टर का फर्ज शुरू होता है?

ऐसे अस्पतालों को चलाने की इजाजत देने वाले अफसर कब तक चुप रहेंगे?

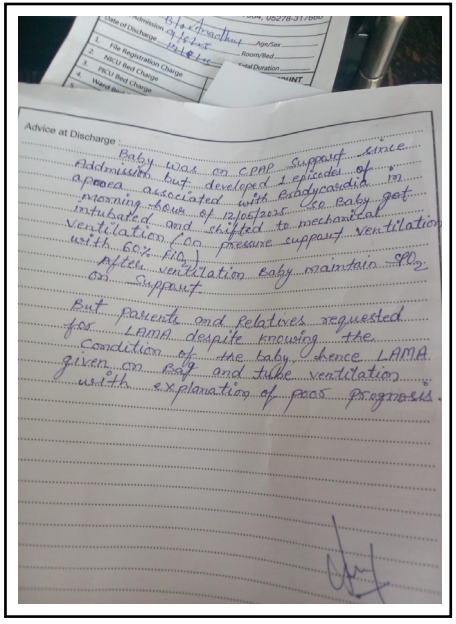

सवाल खड़े कर दिए हैं क्या प्राइवेट अस्पताल अब सिर्फ कमाई का जरिया बन गए हैं? और क्या प्रशासन आंखें खोलकर देखेगा कि अब मासूमों की जानों से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए?

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की लखनऊ में राष्ट्रीय कार्यकारिणी संपन्न

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 भारत की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक होटल क्लब गेस्टो,गोमती नगर विस्तार लखनऊ में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश कुमार श्रीवास्तव कोलकाता पश्चिम बंगाल ने किया संचालन राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, निवासी जौनपुर ने किया। बैठक की शुरुआत सर्वप्रथम भगवान चित्रगुप्त जी की आरती पूजन दीप प्रज्वलन से हुआ।

» राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ महासभा 7235 भारत संगठन का विस्तार तेज़ी से पूरे देश में हो रहा है और समाज हित में कार्य करने वाले लोग तेज़ी से जुड़ रहे हैं

राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ महासभा 7235 भारत संगठन का विस्तार तेज़ी से पूरे देश में हों रहा है और समाज हित में कार्य करने वाले लोग तेज़ी से जुड़ रहे है और कहा कि इस महासभा में कोइ सदस्यता शुल्क नहीं है कायस्थ को कायस्थ से जोड़ने के लिए शुल्क की क्या जरूरत है, और कहा कि जल्दी ही प्रयागराज में और कोलकाता में कायस्थ महासभा 7235 भारत का एक राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाया जाएगा । जिसमे देशभर के हजारों कायस्थ समाज महासभा के लोग शामिल होंगे। कायस्थ महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय

दिनेश खरे ने कहा कि आज कायस्थ समाज को राजनीति में सक्रिय होने की जरुरत है तभी कायस्थ समाज का कल्याण होगा और कहा कि भारत सरकार जातीय जनगणना कराने का उद्देश्य जो भी हो लेकिन समस्त प्राणियों के कर्मो के लेखा जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त जिनके बारह अंश हैं जो कि विभिन्न उपजाति से अपना संबोधन करते हैं । अपनी राजनीतिक इच्छा शक्ति को बढ़ाने के लिए उपजाति का संबोधन ना कर सिर्फ कायस्थ शब्द प्रयोग करें। महासभा के राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उत्तर प्रदेश ने कहा कि कायस्थ महासभा देश की सेना और मोदी सरकार के साथ है जिन्होनें विश्व में भारत माता का सम्मान बढ़ाया। जरुरत पड़ने पर देशभर के कायस्थ समाज के लोग रक्तदान महादान के लिए तैयार हैं और कायस्थ समाज हमेशा देश सेवा में अग्रणी भूमिका निभाई है। आए हुए अतिथियों का सम्मान कायस्थ महासभा लखनऊ के जिला अध्यक्ष पुनीत श्रीवास्तव ने किया।बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव सोनू ने संगठन का प्रस्तावना प्रस्ताव रखा। बैठक में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष डा विवेक श्रीवास्तव, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट हाईकोर्ट मुम्बई, बिहार प्रदेश अध्यक्ष अजीत श्रीवास्तव, रिंकू भईया, राष्ट्रीय सचिव अवनीश श्रीवास्तव पत्रकार लखनऊ, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन भास्कर, प्रयागराज जिला अध्यक्ष पंकज वर्मा, वरिष्ठ नेता आर पी श्रीवास्तव सहित कई राज्यों के लोग शामिल हुए।